भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **2158** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025/ 10 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

पत्तनों का आधुनिकीकरण

†2158. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का वर्ष 2047 तक चेन्नई-कामराजार-कुड्डालोर संकुल को छह पत्तन संकुलों में से एक के रूप में मेगा पत्तन संकुल के रूप में विकसित करने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि सागरमाला के अंतर्गत भारतीय पत्तनों के आधुनिकीकरण के लिए 2,91,622 करोड़ रुपये की लागत से 234 परियोजनाओं को कार्यान्वयन हेतु शुरू किया गया है और कुल 234 परियोजनाओं में से 31,517 करोड़ रुपये की लागत की 94 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और 79,958 करोड़ रुपये की लागत की 65 परियोजनाएँ कार्यान्वयनाधीन हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार द्वारा तमिलनाडु के पूर्वी तट को एशिया में पत्तन और पोत परिवहन केंद्र बनाने के लिए क्या प्रभाव कदम उठाए गए हैं, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के अंतर्गत 2047 तक चेन्नै-कामराजर-कुड्डालोर क्लस्टर को पूर्वी तट पर एक मेगा पोर्ट बनाने की परिकल्पना की गई है। वर्ष 2047 तक इस क्लस्टर की कार्गो हैंडलिंग क्षमता प्रतिवर्ष 300 मिलियन टन से अधिक करने का लक्ष्य है।

(ख): सागरमाला कार्यक्रम के पत्तन आधुनिकीकरण स्तंभ के अंतर्गत, 2,91,279 करोड़ रुपए की लागत से कुल 234 परियोजनाएँ कार्यान्वयन के लिए शुरू की गई हैं और 234 परियोजनाओं में से, 32,654 करोड़ रुपए की 104 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं और 74,725 करोड़ रुपए की 55 परियोजनाओं का कार्यान्वयन चल रहा है।

(ग): सरकार की प्रमुख पहलों में चेन्नै, एन्नोर (कामराजर) और तूतीकोरिन (वी. ओ. चिदंबरनार) पत्तनों का आधुनिकीकरण और रेल एवं सड़क संपर्कता जैसी अवसंरचना में निवेश करना शामिल है। इसके अलावा, कार्यनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान, डीप ड्राफ्ट पत्तनों और नीतिगत सहायता का उद्देश्य तमिलनाडु को एशिया में एक प्रमुख समुद्री हब के रूप में स्थापित करना है।

*****